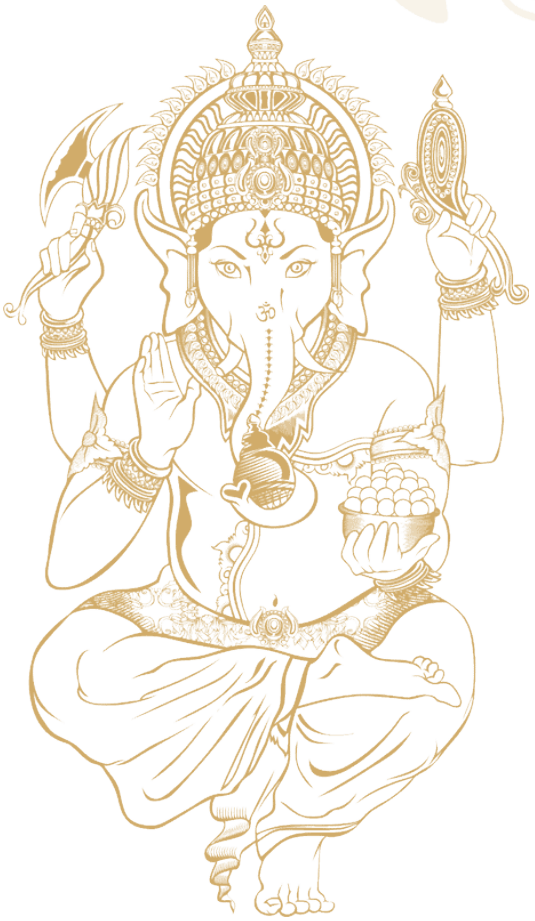

Sparsh Vamika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121884702

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/01/2000 :	जन्म तिथि	: 17/12/2000
रविवार :	दिन	: रविवार
घंटे 17:46:00 :	जन्म समय	: 15:05:00 घंटे
घटी 26:19:55 :	जन्म समय(घटी)	: 19:55:45 घटी
India :	देश	: India
Meerut :	स्थान	: Aligarh
29:00:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:54:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:14:02 :	सूर्योदय	: 07:02:45
17:43:40 :	सूर्यास्त	: 17:25:16
23:51:14 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 10मा 1दि	03:10:32	कर्क	लग्न	मेष	26:31:28	शुक्र 4वर्ष 2मा 29दि
राहु	01:48:55	मक	सूर्य	धनु	01:53:23	मंगल
18/11/2022	27:01:39	मेष	चंद्र	सिंह	23:50:08	17/03/2021
17/11/2040	15:44:41	कुंभ	मंगल	तुला	02:26:42	17/03/2028
राहु 31/07/2025	02:06:25	मक	बुध	वृश्चि	27:11:22	मंगल 13/08/2021
गुरु 24/12/2027	02:22:45	मेष	गुरु व	वृष	09:46:52	राहु 01/09/2022
शनि 30/10/2030	25:57:53	वृश्चि	शुक्र	मक	16:36:41	गुरु 08/08/2023
बुध 19/05/2033	16:27:07	मेष	शनि व	वृष	01:30:59	शनि 16/09/2024
केतु 06/06/2034	09:52:14	कर्क व	राहु	मिथु	21:48:08	बुध 13/09/2025
शुक्र 06/06/2037	09:52:14	मक व	केतु	धनु	21:48:08	केतु 09/02/2026
सूर्य 01/05/2038	21:45:13	मक	हर्ष	मक	24:07:52	शुक्र 11/04/2027
चन्द्र 31/10/2039	09:53:30	मक	नेप	मक	10:58:32	सूर्य 17/08/2027
मंगल 17/11/2040	18:05:42	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:21:48	चन्द्र 17/03/2028

लग्न-चलित

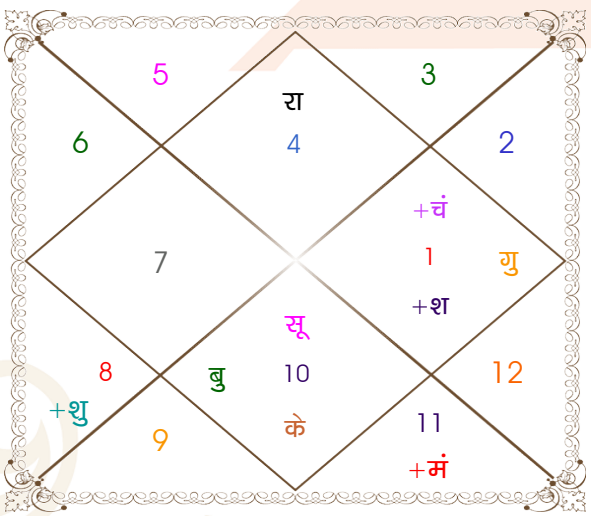

लग्न-चलित

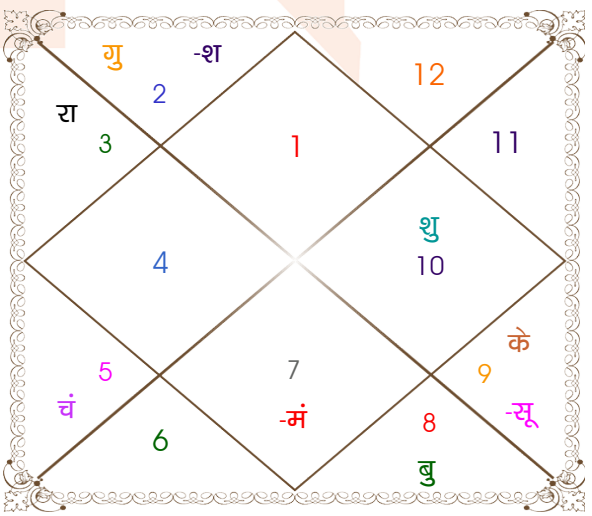

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ैचंती का वर्ग गरूड़ है तथा टंउपां का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारै चंती और टंउपां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ैचंती मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगलै चंती कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टंउपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टंउपां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैचंती तथा टंउपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।